17 को नक्सली बंद

किरीबुरू. चौपारण थाना क्षेत्र के गया से सटे झारखंड-बिहार सीमा के जंगल में पिछले दिनों पुलिस मुठभेड़ में तीन नक्सलियों की मौत के विरोध में नक्सलियों ने 17 जनवरी को झारखंड-बिहार बंद आहूत किया है. बंद को लेकर गुरुवार की सुबह से ही सीआरपीएफ व झारखंड पुलिस के जवान सर्च अभियान चला रहे हैं. विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी उपक्रमों की सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है. गुरुवार की सुबह भारी संख्या में जवान पैदल गश्त करते हुए सारंडा जंगल में प्रवेश घुसे. बंद शुक्रवार रात 12 बजे से प्रभावी होगा. नक्सली बंद को लेकर पुलिस व सीआरपीएफ के जवान रेलवे स्टेशनों समेत सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दे रहे है. ऐसी आशंका जतायी जा रही है कि बंद के दौरान नक्सली मारे गये साथियों के विरोध में विभिन्न क्षेत्रों में किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं. पिछले दिनों मुठभेड़ में पुलिस ने तीन माओवादियों को चौपारण थाना क्षेत्र में उस समय मार गिराया था, जब वे बैठक कर रहे थे. उनके शवों के साथ पुलिस ने 1-एसएलआर, 1-इंसास, 1-थ्री-नॉट थ्री राइफल, लगभग साढ़े छह लाख रुपये व भारी मात्रा में कारतूस बरामद किया था.

एक माह से लापता युवक का सुराग नहीं, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, सात घंटे तक

जाम रहा पतरातू-रामगढ़ मार्ग

प्रतिनिधि, पतरातू

लापता युवक सद्दाम का एक महीने बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने से आंदोलित सांकुल गांव व आसपास के ग्रामीणों ने गुरुवार की सुबह आठ बजे सात घंटे तक पतरातू-रांची-रामगढ़ मार्ग जाम कर दिया. ग्रामीणों ने सड़क पर बांस बांध कर व टायरों को जला कर वाहनों का आवागमन ठप कर दिया. वहीं बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं सड़क पर धरना देने बैठी रहीं.

ग्रामीणों ने सुबह आठ बजे से ही रोड जाम कर दिया था.

पहुंचे अधिकारी, दिया आश्वासन : सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने लोगों को समझाया व आश्वासन दिया. डीएसपी ने जाम स्थल पर ही मौजूद लापता युवक की मां के पास जा कर उन्हें ढांढ़स बंधाया और शीघ्र मामले का निष्पादन करने की बात कही. करीब तीन बजे किसी तरह जाम खत्म कराया गया. ग्रामीणों ने पुलिस को 30 जनवरी तक युवक का पता लगाने का अल्टीमेटम दिया है. इसके बाद मामले की सीबीआइ जांच की मांग को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी है.

21 दिसंबर से लापता है सद्दाम

सांकुल निवासी सद्दाम बीते 21 दिसंबर की शाम से लापता है. 21 दिसंबर की शाम लगभग सात बजे वह अपनी बजाज पल्सर बाइक से वीणा टॉकीज से सांकुल स्थित घर जाने के लिए निकला था, परंतु घर नहीं पहुंचा. लगभग एक सप्ताह पूर्व उसकी पल्सर बाइक सयाल स्थित पोखरिया नंबर सात से बरामद की गयी थी.

दो पीएलएफआइ नक्सली गिरफ्तार

चाईबासा . पीएलएफआइ नक्सलियों के खिलाफ पश्चिम सिंहभूम पुलिस द्वारा चलाये जा रही कारो टू अभियान के दौरान पुलिस ने मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के रंगामाटी क्षेत्र से दो पीएलएफआइ नक्सलियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार नक्सलियों में तुराम सुंडी व अमरा उर्फ उदय टुटू शामिल है. पुलिस ने इनके पास से 315 बोर की दो राइफल तथा थ्री नॉट थ्री की चार जिंदा गोली बरामद की है. नक्सलियों के गिरफ्तारी का खुलासा करते हुए डीएसपी मुख्यालय प्रमोद कुमार सिन्हा ने बताया कि कारो टू के तहत पश्चिम सिंहभूम पुलिस ने ऑपरेशन चलाया था. इस बीच पुलिस कप्तान नरेंद्र सिंह को सूचना मिली थी किसी से लेवी लेने के कारण रंगामाटी क्षेत्र में पीएलएफआइ दस्ते के कुछ लोग बैठक कर रहे हैं. बैठक तुराम सुंडी के घर पर चल रही थी. उनकी निर्देश पर नक्सलियों को पकड़ने के लिये विभिन्न थानाधिकारियों को लेकर एक टीम का गठन किया गया था.

नहीं रहे पूर्व राज्यपाल रामेश्वर ठाकुर

गोड्डा. गोड्डा के ठाकुरगंगटी प्रखंड के मिश्र गंगटी निवासी स्वतंत्रता सेनानी सह पूर्व राज्यपाल रामेश्वर ठाकुर का निधन हो गया. गुरुवार की शाम 4:30 बजे दिल्ली स्थित आनंद निवास में अंतिम सांस ली. 91 वर्षीय रामेश्वर ठाकुर के निधन की जानकारी उनके रिश्तेदार माधवचंद्र मिश्रा ने दी. रामेश्वर ठाकुर का जन्म 17 जुलाई 1924 में पैतृक गांव मिश्र गंगटी में हुआ था. कोलकाता में सीए की पढ़ाई के बाद ऑल इंडिया चार्टर्ड एकाउंटेंसी एसोसिएशन के संयुक्त बिहार के पहले तथा अंतिम अध्यक्ष भी रहे. वह दो बार राज्यसभा सदस्य व नरसिंहा राव की सरकार में वित्त राज्य मंत्री रहे. स्वर्गीय ठाकुर ओड़िशा, कर्नाटक, बंगाल तथा असम के राज्यपाल भी रहे हैं.

पेज एक का शेष

सैन्य शैली में ...

'गाओकाओ' चीन में राष्ट्रीय स्तर पर बड़े कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित होनेवाली प्रतियोगिता परीक्षा है, जिसके लिए कड़ी तैयारी की जरूरत पड़ती है.

इनमें से अधिकांश विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और उनके मां-बाप यह भली-भांति जानते हैं कि 'गाओकाओ' में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद उनके बच्चों के लिए संभावनाओं के नये द्वार खुल जायेंगे. माओ तान चांग इन बच्चों के प्रयास में पठन-पाठन के अनुकूल माहौल मुहैया करा कर उनके भीतर सघन शिक्षा की भावना को जगाता है. इस प्रयास में स्कूल की रणनीति स्पष्ट है, हर वह चीज जो शिक्षा से जुड़ी नहीं है वह यहां प्रतिबंधित है.

इसलिए यहां के बच्चों के लिए टीवी देखना, इंटरनेट और सेल फोन के इस्तेमाल की मनाही है. और तो और डेटिंग पर भी सख्त पाबंदी है. इस स्कूल के बच्चों के बेडरूम्स में पावर सॉकेट ही नहीं हैं, ताकि कोई बच्चा चोरी-छिपे भी कोई गैजेट इस्तेमाल न कर पाये. सिक्योरिटी गार्ड्स और क्लोज सर्किट कैमरों की नजरें इसके कैंपस पर हर पल पहरा देती हैं.

इस स्कूल में सारे पुरुष शिक्षक ही बहाल हैं, जो बच्चों को सिखाने-पढ़ाने के लिए सेना की शैली में रणनीतियां अपनाते हैं और पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन नहीं करनेवाले विद्यार्थियों को सजा देने में भी कोई संकोच नहीं करते. इन शिक्षकों का वेतन विद्यार्थियों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है और इसलिए चीन के अन्य पब्लिक स्कूलों के शिक्षकों के बनिस्पत उनका मानदेय दो से तीन गुणा ज्यादा है.इस पूरी व्यवस्था में सबसे दिलचस्प बात यह है कि स्थानीय सरकार भी इस स्कूल के नियम-कानूनों को ध्यान में रखते हुए काम करती है. और ऐसा करते हुए उसने इस क्षेत्र में स्थित सारे मनोरंजक स्थलों को बंद करा दिया है. इनमें इंटरनेट कैफे से लेकर पूल रूम तक शामिल हैं. यहां तक कि घर पर परिवार के साथ रहनेवाले इस स्कूल के बच्चों को भी टीवी देखने की इजाजत नहीं है और न ही किसी भी तरह की गतिविधि से जुड़ने की, जो शिक्षा से संबंधित नहीं है.

इस स्कूल के लिए की जा रही ये सारी कवायदें अच्छे परिणाम भी दे रही हैं. स्कूल के अधिकारियों की मानें तो 1998 में चीन के शीर्ष विश्वविद्यालयों के लिए इस स्कूल से 98 बच्चे चुने गये थे और 2014 में यह आंकड़ा काफी आगे बढ़ कर 9,132 तक पहुंच गया.

माओ तांग चांग हाइ स्कूल के छात्र रहे जू पेंग 2014 में सिंगुआ यूनिवर्सिटी के लिए चुने जानेवाले एकमात्र विद्यार्थी हैं. यह यूनिवर्सिटी चीन की सबसे विशिष्ट यूनिवर्सिटी का दर्जा रखती है. इस बड़ी उपलब्धि को पाकर अपने स्कूल के अन्य विद्यार्थियों के बीच में खास पहचान बना चुके जू पेंग अब स्कूल के सख्त माहौल से बाहर निकल चुके हैं. वह बताते हैं कि स्कूल से निकलकर सामान्य जीवन से तारतम्य बिठाना आसान नहीं था. जू पेंग आगे कहते हैं, जब मैं पहली बार यूनिवर्सिटी पहुंचा तो यह देखा कि मेरे अधिकांश सहपाठी चीन के बड़े शहरों से थे. वे अमीर घरों से ताल्लुक रखते थे, आइफोन का इस्तेमाल करते थे और अमेरिकी टीवी शो देखते थे. वह बताते हैं कि वहां कोई कुछ बोलनेवाला नहीं था कि क्या करें और क्या न करें. कुल मिलाकर, माओ तांग चांग स्कूल के दिनों से तुलना की जाये तो सिंगुआ में अब जिंदगी काफी राहतभरी है.

लेकिन ऐसा नहीं है कि जू पेंग ने पढ़ाई में मेहनत करने में ढीलाई बरतने लगे हैं. आज भी वह कभी-कभी लगातार 48 घंटे की पढ़ाई करते हैं, जिसके बीच में बाथरूम और खाने के छोटे ब्रेक्स होते हैं. वह फिलहाल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं और आगे चल कर अमेरिका से मास्टर्स की डिग्री लेना चाहते हैं.

हालांकि जू पेंग जैसे छात्रों की सफलता की कहानियां माओ तांग चांग के तरीकों को सही ठहराती हैं, लेकिन पढ़ाई का ऐसा दबाव कई बच्चों पर बुरा असर भी डालता है. इसी क्रम में चीन की सरकार बच्चों पर से शिक्षा का जरूरत से ज्यादा दबाव कम करने के लिए शिक्षा सुधार से जुड़ा काम कर रही है. लेकिन अधिकांश ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए 'गाओकाओ' एग्जाम आज भी बेहतर जिंदगी की उम्मीद की किरण है.

80 प्रतिशत महिलाएं नहीं जानती क्या है माहवारी?

बंदगांव प्रखंड

रजनीश आनंद

औरत जात के शरीर से खून जाता है, सो मेरे शरीर से भी जाता है. ई काहे होता है. ऊ हम नहीं जानते. यह कहना है लगभग 35 वर्षीय सुशीला देवी का. सुशीला चाईबासा जिले के बंदगांव प्रखंड, मेरोमगुटू पंचायत के कटवा गांव की रहने वाली हैं. माहवारी को लेकर इस पंचायत में किस कदर ज्ञान का अभाव है, इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सौ महिलाओं में से एक ने भी इस बात का जवाब नहीं दिया कि आखिर माहवारी है क्या और यह क्यों होती है.

बंदगांव प्रखंड में 209 गांव हैं, जिनमें 13 पंचायते हैं. बंदगांव प्रखंड रांची जिले से 62 किलोमीटर और चाईबासा से 70 किलोमीटर दूर स्थित है. पूरी तरह से माओवाद प्रभावित यह प्रखंड विकास से कोसों दूर है. जीवन की बुनियादी सुविधाएं भी लोगों को बमुश्किल मयस्सर हो पा रही हैं. बंदगांव चेकनाका के बाद तीन से पांच किलोमीटर की परिधि में बसे गांव मेरोमगुटू, कटवा, कोंडाकेल, ईटी और सिटीबुरू की महिलाओं से बातचीत के बात यह ज्ञात हुआ कि उन्हें अपने शरीर में हो रही इस क्रिया का कोई ज्ञान नहीं है. किशोरियों से लेकर वृद्धाओं तक सब के ज्ञान का स्तर माहवारी को लेकर एकसमान है. गांव में बहुसंख्यक लोग आदिवासी हैं, इस समाज में माहवारी को लेकर कई तरह की भ्रांतियां फैली हुई हैं. कटवा गांव की एक वृद्धा रानी मुंडरी (80 वर्ष) का कहना है कि माहवारी के आने से महिलाएं अछूत हो जाती हैं. इसलिए शुद्ध होने तक उसे अलग-थलग कर दिया जाता है. उदाहरण स्वरूप वह पूजा-पाठ से दूर रहती है. भंडारगृह जहां धान सहित अन्य अनाज का भंडारण किया जाता है, वहां नहीं जाती हैं. इन भ्रांतियों के पीछे तर्क यह है कि अगर उनके शरीर का संपर्क अनाज से हो गया तो वह अशुद्ध हो जायेगा.

नंदी मुंडरी (40 वर्ष) का कहना है कि माहवारी की चर्चा किसी से नहीं करनी चाहिए. इससे नजर लग जाती है. उसने बताया कि एक बार किसी दूसरी महिला ने उसका कपड़ा (माहवारी के दौरान इस्तेमाल किया जाने वाला) देख लिया था, उसके बाद डेढ़ वर्ष तक उसके शरीर से खून लगातार आता रहा. अब काफी सुधार हुआ है. लेकिन अभी भी महीने में दो बार माहवारी होती है.

माहवारी को लेकर महिलाओं के बीच इतनी भ्रांतियां हैं कि रानी हंसापूर्ति बताती हैं कि वे माहवारी के दौरान इस्तेमाल किये जाने वाले कपड़े को छुपाकर धोती हैं, ताकि कोई देखे नहीं. देख लेने से गर्भपात की आशंका बढ़ जाती है. शर्म और डर से वे कपड़े को घर के अंदर ही सुखाती हैं. कपड़े पर सूरज की रोशनी नहीं पड़ने से उनमें संक्रमण की आशंका अत्यधिक रहती है. आजकल महिलाएं कपड़ा धोने के लिए साबुन वगैरह इस्तेमाल कर लेती हैं, अन्यथा पहले पानी से धोकर उसे राख के साथ गर्म पानी में उबालती थीं. पूरे देश में महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधित जानकारी देने के लिए स्वास्थ्य सहिया (आशा) को नियुक्त किया गया है. लेकिन यहां की स्वास्थ्य सहिया उर्सुसिला बोदरा कहती हैं कि हमारे गांव क्या पूरे प्रखंड के किसी भी गांव की महिला को नहीं मालूम कि माहवारी क्या है और क्यों होती है. सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि किसी भी महिला ने इस बात को स्वीकार नहीं किया कि माहवारी के शुरुआती दिनों में उन्हें इस संबंध में किसी तरह की कोई जानकारी मां-नानी या दादी से मिली. उन्हें पैड तक इस्तेमाल करने का तरीका घर में नहीं बताया गया. सहेलियों और खुद के निर्णय से महिलाओं ने खून रोकने के लिए कपड़े का सहारा लिया. आज भी इस प्रखंड की 80 प्रतिशत महिलाएं माहवारी के दौरान फटे-पुराने और गंदे कपड़े का प्रयोग करती हैं. सरकारी दर पर मिलने वाले पैड की न तो इन्हें जानकारी है और न ही सहिया को वितरण के लिए पैड मुहैया कराया जाता है.

गांव की महिलाएं माहवारी के संबंध में बात करने से काफी हिचकती हैं. शर्म उनके आड़े आ जाता है. समाज में व्याप्त भ्रांतियों के कारण महिलाएं कई तरह की बीमारियों की गिरफ्त में हैं.जिनमें जननांग में खुजली, सफेद पानी आना, महीने में दो बार माहवारी होना, सिर चक्कराना इत्यादि शामिल है.

(यह आलेख आइएमचेंज, इंक्लूसिव मीडिया यूएनडीपी फेलोशिप के तहत प्रकाशित है)

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
एक मिनीरत्न कंपनी
(कोल इंडिया लि. की एक सहायक कम्पनी)

सं.सीसीएल/एचक्यू/सी–4/ई-ऑक्शन/999 दिनांक:13.01.2015

कोयला का स्पॉट ई–आक्शन हेतु सूचना

सभी क्रेताओं को सूचित किया जाता है कि रेल/सड़क के द्वारा कोयला/कोयले के उत्पादों की बिक्री हेतु एमओसी के नई कोयला वितरण पॉलिसी के अंतर्गत नवंबर, 07 के तत्काल प्रभाव से सीआईएल के द्वारा "स्पॉट ई–ऑक्शन स्कीम 2007" को शुरू किया गया है। जनवरी 2015 के लिए सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के स्पॉट ई–ऑक्शन हेतु संभावित तिथियां 28, 29 एवं 30 जनवरी 2015 है। विवरण जल्द ही सीसीएल के वेबसाइट www.ccl.gov.in,एमएसटीसी के वेबसाइट http://www.mstcecommerce.com, एमजंक्शन के वेबसाइट http://www.coaljunction.in एवं सीसीएल के रांची एवं कोलकाता के बिक्री एवं विपणन विभाग के सूचना पट्ट पर उपलब्ध होगा। ई–ऑक्शन से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु श्री भी.एन. सिंह, मुख्य प्रबंधक (एसएंडएम), सीसीएल के दूरभाष सं. 0651–2365746/2365706 एवं श्री टी. मोहंता सीई (एक्स), सीसीएल कोलकाता से दूरभाष सं. 03322625644 पर संपर्क कर सकते हैं।

ह0/-महाप्रबंधक (एसएंडएम)
सीसीएल, दरभंगा हाऊस, रांची

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110608
भर्ती सूचना सं. 18 / 2014 के लिए शुद्धिपत्र

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली से प्राप्त संप्रेषण पत्र सं. ए–12026/3/2013–एमएच–। तिथि 09.01.2015 के अनुसार दिल्ली में केंद्रीय अस्पतालों के लिए **स्टाफ नर्स** के पद के लिए रिक्तियों की संशोधित स्थिति निम्नानुसार होगी :–

संस्थान का नाम	अनारक्षित	अजा	अजजा	अपिव	शादि	कुल पद
डॉ आरएमएल अस्पताल	99	37	19	71	भारत सरकार के निर्देशानुसार	226
सफदरजंग अस्पताल	87	47	16	–		150
एलएचएमसी तथा श्रीमती सुचेता कृपलानी अस्पताल	130	39	21	76		266
कलावती सरन बाल अस्पताल	37	04	02	09		52

अन्य नियम व शर्तें 24.12.2014 को सभी प्रमुख समाचारपत्रों तथा तत्पश्चात 03.01.2015 को इंप्लॉयमेंट न्यूज में प्रकाशित भर्ती सूचना में उल्लेखित अनुसार ही रहेंगे. विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाईट www.aiimsexams.org पर विजिट करें.

davp 17112/11/0130/1415 सहायक परीक्षा नियंत्रक

HEAVY ENGINEERING CORPORATION LIMITED
(A Govt. of India Enterprise)
HMTP Admn. Building, P.O. Dhurwa, Ranchi- 834004 (Jharkhand)

OPEN TENDER NOTICE

Sl. No.	Tender No. and Date	Description	Last date of submission of Tender	Date of Opening
1.	HTP/PUR/280133/ RPD/AS/14-108; Dated : 12.01.2015	PC, LAPTOP, SCANNER, UPS, PRINTER ETC.	12/02/2015 AT 03.00 PM	12/02/2015 AT 4.00 PM

For more details please visit our website www.hecltd.com. Sd./- Jr. Mgr (Pur).
Fax No. 0651-2401124 Ph. No. 0651-2400266
HEC BUILDS MACHINES THAT BUILD THE NATION

JHARKHAND URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT COMPANY LIMITED
2nd Floor, Vasundhara mega mart, Argora Chowk, Ranchi-834002
Ph No:+91-651-2243203, e-mail:juidcolimited@gmail.com

NIT No:- JUIDCO/NIT/RAY/TENDER JAMSHEDPUR/130/2014
PR No:-120083

CORRIGENDUM-01

With reference to the NIT No:- **JUIDCO/NIT/RAY/ TENDER JAMSHEDPUR/ 130/2014, All prospective bidders are hereby announced that amendments/addendum are released for the Tender ID: 2014_UDD_11644_1.** The bidders are advised to take into account the same before submission of their bids against the tender. **NOTE:** Corrigendum-1(including date extension), pre bid clarification and all other information can be referred from the e-tender site of Govt of Jharkhand i.e (**http://jharkhandtenders.gov.in**)

Sd/- Project Director (Technical)
JUIDCO Limited, Ranchi

PR 120661(Urban Development)14-15

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय का पत्रांक 46, दिनांक 10.01.2015 के द्वारा विज्ञापन आमंत्रण निविदा सूचना संख्या 08/2014-15 जिसका पी. आर. सं. 120551 (Rural Development Department) 2014 - 15 है, में अपरिहार्य कारणवश निम्नांकित संशोधन किया जाता है।

1. क्रमांक 02 में अंकित एवं प्रकाशित तिथि 16.01.2015 से दिनांक 20.01.2015 अंकित किया गया है। उसके स्थान पर दिनांक 23.01.2015 से 28.01.2015 कार्यदिवस पढ़ा जाय।

निविदा की शेष अन्य सभी शर्तें यथावत् रहेगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल
पलामू

PR 120659(Rural Development)14-15

केंद्रीय हिंदी निदेशालय

हिंदी में प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता योजना

केंद्रीय हिंदी निदेशालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, द्वारा हिंदी लेखकों को प्रोत्साहित करने के लिए हिंदी में प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता योजना का संचालन किया जा रहा है.

(क) हिंदीमूलक पांडुलिपियों के प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता योजना

इस योजना के अंतर्गत हिंदी में लिखे संदर्भग्रंथ, ज्ञान-विज्ञान, भाषा-विज्ञान, साहित्य, आलोचना, समाज, संस्कृति तथा किसी अन्य भाषा से हिंदी में अनूदित पांडुलिपियों के प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता दिए जाने का प्रावधान है. **उपन्यास, कथा-साहित्य, नाटक, काव्य की पांडुलिपियां तथा शोध-प्रबंध इस योजना के अंतर्गत विचारणीय नहीं है.** यह योजना केवल लेखकों के लिए हैं; प्रकाशक इस के पात्र नहीं है. पांडुलिपि में 100 पृष्ठ या उससे अधिक होना आवश्यक है.

आवेदन की प्रकिया

आवेदक को विधिवत् भरा हुआ अपना आवेदन पत्र संबंधित पांडुलिपि की एक प्रति के साथ इस निदेशालय में 15.02.2015 तक प्रस्तुत करना होगा. अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे. अस्वीकृत पांडुलिपियों को आवेदक को निदेशालय से स्वयं प्राप्त करना होगा.

आवेदन पत्र के लिए कृपया लिखें :-

निदेशक,
केंद्रीय हिंदी निदेशालय, उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
पश्चिमी खंड-7, रामकृष्णपुरम,
नई दिल्ली- 110066

विस्तृत विवरण के लिए हमारी वेबसाइट देखें :-
www.hindinideshalaya.nic.in

davp 21252/11/0008/1415

कार्यालय, जिला शिक्षा अधीक्षक-सह-अनुमण्डल शिक्षा पदाधिकारी, चतरा

शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण वर्ग (I-V के लिए) शिक्षक पद पर नियुक्ति हेतु आवश्यक सूचना

इन्टर प्रशिक्षित/इन्टर प्रशिक्षित उर्दु शिक्षक पदों पर नियुक्ति हेतु वज्ञप्ति सं0 01/2013 के विरूद्ध तैयार मेधा सूची के अभ्यर्थियों का आवेदन पत्र के साथ संलग्न **शैक्षणिक/प्रशैक्षणिक/जाति प्रमाण पत्र/ आवासीय प्रमाण पत्र/पारा शिक्षक के रूप में 02 साल की अटूट सेवा का प्रमाण पत्र** का सत्यापन मूल प्रमाण पत्र से नीचे अंकित निर्धारित तिथि को 10:30 बजे पूर्वाह्न से 4:00 बजे अपराह्न तक किया जायेगा –

क्रमांक	दिनांक	मेधा सूची के अभ्यर्थियों की कोटि	स्थान
01	19.01.2015	योजना एवं गैर योजना अन्तर्गत सभी कोटि के इन्टर प्रशिक्षित शिक्षक/उर्दु शिक्षक के अभ्यर्थी।	विकास भवन चतरा
02	20.01.2015	योजना एवं गैर योजना अन्तर्गत सभी कोटि के इन्टर प्रशिक्षित पारा शिक्षक/उर्दु पारा शिक्षक के अभ्यर्थी।	विकास भवन चतरा

अनुरोध है कि शैक्षणिक/प्रशैक्षणिक/जाति प्रमाण पत्र/ आवासीय प्रमाण पत्र/पारा शिक्षक के रूप में 02 साल की अटूट सेवा का प्रमाण पत्र की मूल प्रति एवं स्व अभिप्रमाणित छायाप्रति के साथ निर्धारित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होकर सत्यापन कराना सुनिश्चित करें । इसके लिए अलग से कोई सूचना कार्यालय से प्रेषित नहीं की जायेगी।

मेधा सूची चतरा जिले के Official website, chatra.nic.in पर उपलब्ध है।

उपायुक्त –सह– अध्यक्ष
जिला शिक्षा स्थापना समिति, चतरा

PR 120660(Human Resource Developement) 14-15

कार्यालय, दक्षिणी छोटानागपुर प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार, रांची

पत्रांक : 4 /आर०टी०ए०, रांची दिनांक: 13.01.2015

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा नगर निगम क्षेत्र के अन्तर्गत परिचालित सभी ऑटो रिक्शा वाहन मालिकों को माननीय उच्च न्यायालय, राँची के WP(PIL)6141/08 रजनीश मिश्रा बनाम भारत सरकार एवं अन्य में पारित न्यायादेश के अनुपालन में गठित उच्च स्तरीय समिति के दिनांक 08.01.2015 को आयोजित बैठक में निम्नलिखित अनुपालन सुनिश्चित करने का निदेश प्राप्त हुआ है :–

1. सभी ऑटो रिक्शा वाहन मालिक अपने ऑटो रिक्शा के दाहिने ओर आयरन रॉड सूचना प्रकाशन से तीन दिनों के अन्दर अवश्य लगा लें जिससे दाहिने तरफ से यात्रियों द्वारा चढ–उतर नहीं किया जा सके।
2. सभी ऑटो रिक्शा मालिक कार्यालय द्वारा निर्गत वैद्य परमिट एवं रंगीन परमिट स्टीकर के बिना अपने ऑटो रिक्शा का परिचालन राँची नगर निगम क्षेत्र के अन्दर नहीं करें।

उपरोक्त निदेशों का उलंघन करने की स्थिति में मोटर वाहन अधिनियम 1988 की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत दण्डात्मक कारवाई की जायेगी।

उप–परिवहन आयुक्त–सह–सचिव,
दक्षिणी छोटानागपुर प्रादेशिक
परिवहन प्राधिकार, रांची

PR 120647(Transport) 14-15

Govt. of Jharkhand
JHARKHAND COMBINED ENTRANCE COMPETITIVE EXAMINATION BOARD

Advt. No. – JCECEB/02 Dated: 15 / 01 / 2015

TENDER NOTICE No. 01

For outsourcing printing of prospectus and other documents for P.E.C.E. – 2015 & I.T.I.E.C.E. - 2015

Sealed tenders are invited from reputed firms possessing valid trade license and company incorporation certificate/public sector union for printing of prospectus and other documents for P.E.C.E. – 2015 & I.T.I.E.C.E. – 2015 examination. The Firm/PSU must have experience in similar type of work at least in any one of the technical degree college entrance examination such as IIT, AIEEE, any state JEE or Board. The last date for time of receipt of Tender document is 09th February 2015 at 11:00 AM.

Bid document including scope of works and terms & condition are available on the website http://jceceb.jharkhand.gov.in under Tender Notice head. Bid received after the last date mentioned in Tender document will not be considered. The Board reserves the right to cancel any or all the bids at any time without assigning any reason.

Sd/- Mridula Sinha, I.A.S.
Controller of Examination

Memo No. : 15, Dated: 15 / 01 / 2015

Govt. of Jharkhand
JHARKHAND COMBINED ENTRANCE COMPETITIVE EXAMINATION BOARD

Advt. No. – JCECEB/03 Dated: 15 / 01 / 2015

TENDER NOTICE No. 02

For outsourcing Pre-Examination & OMR printing work of several courses

Sealed tenders are invited from reputed firms possessing valid trade license and company incorporation certificate/public sector union for conducting pre-examination work. The Firm/PSU must have experience in similar type of job in the past three years and have performed such type of jobs for at least five different Board / University / Council. The last date for time of receipt of Tender document is 06.02.2015 at 05:00 PM.

Bid document including scope of works and terms & condition are available on the website http://jceceb.jharkhand.gov.in under Tender Notice head. Bid received after the last date mentioned in Tender document will not be considered. The Board reserves the right to cancel any or all the bids at any time without assigning any reason.

Sd/- Mridula Sinha, I.A.S.
Controller of Examination

Memo No. : 16, Dated: 15 / 01 / 2015